LOK SABHA

Wednesday, November 24, 1965/ Agrahayana 3, 1887 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

महात्मा गांधी के स्मारक

+

*416. **श्री मधु लिमये :**
श्री रामसेवक यादव :
श्री बागड़ी :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कुछ तीर्थ स्थानों पर महात्मा गांधी के स्मारक बनाने के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(ख) यदि हां, तो क्या उन पर महात्मा गांधी के महत्वपूर्ण उपदेश भी लिखे जायेंगे ?

शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) ऐसी किसी योजना के बारे में भारत सरकार को मालूम नहीं है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

श्री मधु लिमये : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार महात्मा गांधी जी के दर्शन के और कार्य के जो दो पहलू है, एक ध्वंसात्मक अन्याय और बुरी चीजों के प्रति, और दूसरा रचना का यानी अच्छी चीजों के निर्माण का, इन दो पहलुओं को मद्देनजर रखते हुए, क्या सरकार आयन्दा में कोई स्मारक योजना बनाएगी, और उसमें एक ही पहलू पर यानी रचना के पहलू पर जोर देकर उनके कार्य को तोड़ मरोड़ कर खत्म नहीं करेगी ?

श्री भक्त दर्शन: श्रीमन्, जहां तक सरकार की स्थिति है, इसके लिये गांधी स्मारक निधि के द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है । पिछले दिनों भी जब यह प्रश्न उठाया गया था तो सरकार ने यह निर्णय किया कि गांधी जी की जन्म शताब्दी के सम्बन्ध में बड़ा समारोह करने के लिये एक समिति बनाई जाए । बड़ी प्रसन्नता की बात है कि राष्ट्रपति जी ने उस समिति का अध्यक्ष होना स्वीकार कर लिया है । उस समिति के द्वारा बड़े पैमाने पर इसके लिए तैयारी की जा रही है ।

श्री मधु लिमये : क्या सरकार को इस बात का पता है कि गांधी जी का जो अन्तकाल हुआ वह बिड़ला जी के भवन में हुआ था । तो क्या इस बिड़ला भवन को हाथ में लेने के लिए और उसमें गांधी जी का स्मारक बनाने के लिए कोई सुझाव संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी की ओर से रखा गया था और इस संसद् के एक सदस्य ने इस को लेकर क्या कोई सत्याग्रह वगैरह किया था जिसमें उनकी गिरफ्तारी हुई थी ?

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, मेरे पास इस सम्बन्ध में कोई सूचना नहीं है कि ऐसा सुझाव आया था ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना हूं कि मैंने आपको इस बात को लेकर एक चिट्ठी लिखी कि हमारे भूतपूर्व प्रधान मंत्री तथा बिड़ला और मनीराम बागड़ी के बीच में कोई पत्रव्यवहार हुआ है और मैंने आपसे इजाजत मांगी है कि इस पत्रव्यवहार को पटल पर रखने की इजाजत दे दी जाए । इससे बिड़ला साहब का स्वरूप

सामने आ जाएगा कि वह सरकार की तो आलोचना करना चाहते हैं लेकिन गांधी जी के बारे में उनका प्रेम . . .

Mr. Speaker: Order, order.

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it not a fact that the proliferation of memorials in stone and marble is not so very necessary for the immortalisation of the Mahatma's precept and example? He himself desired memorials not made of stone, but riveted of hearts, for that marble crimson-veined is indeed truly eternal. If so, what steps are being taken by Government to inscribe the teachings of Mahatma Gandhi on the the minds and hearts of men not only in India but elsewhere in the world as well?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): A Committee has been set up under the Chairmanship of the President of India to celebrate the Centenary of Gandhiji's Birthday, where all these questions will be considered. We want to celebrate it in a manner worthy of Gandhiji, the greatest Son of India. As regards his writings, we are producing text-books where Gandhiji's sayings are being reproduced. We are doing everything to keep the memory of Gandhiji alive.

Shri Hari Vishnu Kamath: My first question was slightly different. Are memorials made of stone and marble so very necessary?

Shri A. P. Sharma: In view of the fact that Gandhiji's own house at Rajkot and Porbandar have been declared as places of national importance in order to commemorate Gandhiji's memory, may I know whether Government are contemplating to take over the place where Gandhiji was Shot dead also in order to commemorate his memory?

Shri Bhakt Darshan: Sir, as far as our information goes, Gandhiji's house at Rajkot has been taken over by the Gandhi Smarak Nidhi, and not by the Government.

Shri A. P. Sharma: May I know whether Government are going to take over . . .

Mr. Speaker: That question has been answered many a time.

Shri A. P. Sharma: No, I am talking about the place . . .

Mr. Speaker: Shri Warior.

Shri A. P. Sharma: My specific question was.....

Mr. Speaker: That had already been answered.

Shri A. P. Sharma: I want to know whether Government are contemplating to take over this place or not. Let Government say 'Yes' or 'No'.

Mr. Speaker: I am repeating that it has been answered here on the floor of the House many a time.

Shri Bhagwat Jha Azad: If once an answer has been given by Government, is it not open to Government to reconsider the earlier decision afterwards? Can the Government not reconsider it? So, we are asking again and again why Government cannot take it over.

Mr. Speaker: Reconsideration is not being asked for.

Shri Bhagwat Jha Azad: Government must clarify this point.

Shri Warior: May I know whether it is a fact that Mr. Birla had written to the late Prime Minister that this particular mansion would be handed over to the Prime Minister for his residence and not for a memorial to Gandhiji?

Shri Bhakt Darshan: I have not got any information just now.

श्री मधु लिमये : इसी लिए तो, अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता था कि इसको सभा-पटल पर रखा जाये ।

अध्यक्ष महोदय : मैं इसकी कैसे इजाजत दे दूं कि हर कोई कम्युनिकेशन सभा-पटल पर रखा जाए ? यह मेज इतना बोझा नहीं उठा सकती ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : महात्मा जी के स्मारक को बनाने के लिए कितनी धनराशि खर्च की जा रही है। क्या इस स्मारक को बनाने के लिए कोई पैसा आया है ? और क्या इस संकटकालीन स्थिति को देखते हुए जो पैसा लगाया जाने वाला है इसमें कुछ कमी करने का सुझाव दिया गया है ?

अध्यक्ष महोदय : इसमें उसका सवाल नहीं है ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : कितना पैसा खर्च होगा।

अध्यक्ष महोदय : आप देखिये कि यह सवाल किस तरह का है।

Shri D. J. Naik: Gandhiji's life was dedicated to the removal of untouchability and other construuctive programmes. May I know what Government intend to do to achieve these programmes of Gandhiji?

Shri Bhakt Darshan: Sir, all our development programmes are based on Gandhiji's teachings.

Shri D. J. Naik: That has not been done in all the States.

Shrimati Lakshmikanthamma: Is it a fact that a few months back our Prime Minister had laid the foundation for a Gandhiji *stupa* at Vijayawada, and if so, may I know whether the Ministry will also see that such a thing is encouraged and such kinds of *stupas* are established in other States also?

Shri Bhakt Darshan: Sir, as I have said already, all this work is being done under the auspices of the Gandhi Smarak Nidhi.

श्री उ० मू० त्रिवेदी : क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि जहां जहां महात्मा गांधी की, छोटे छोटे गांवों में और बड़े बड़े कस्बों में भी, मूर्तियां स्थापित की गयी है वह कुछ ऐसी बदशक्ल और बेहूदगी बनायी हुई है कि जिन से हमारा मजाक होता है और गांधी जी के बुत के वास्ते लोगों में कुछ ऐसी भावना पैदा होती है जो उचित स्तर को नहीं पहुंचती ? ऐसी हालत में गवर्नमेंट निर्णय लेगी कि जहां ये मूर्तियां स्थापित हो चुकी है वहां तो बनी रहें लेकिन किसी नए स्थान पर स्थापित न की जाएं, कम से कम जहां देहात के लोग जाते है, जिनको गांधी जी के प्रति बड़ा आदरभाव है वहां ऐसे बुत न बनाए जाएं। उसके बजाय गांधी जी की विचारधाराओं को प्रवाहित करने के लिए कुछ स्थान नियत किए जाएं ?

अध्यक्ष महोदय : सजेशन।

Shri Kapur Singh: Do Government propose in any shape or form to induct the name or person of Mahatma Gandhi into the sacred religious lore of India?

Shri Bhakt Darshan: No Sir, he was not a religious leader in that sense.

Shri Kapur Singh: I have not been able to follow the answer . . . .

Mr. Speaker: Next question.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, इसमें मेरा भी नाम था।

अध्यक्ष महोदय जब मैंने सवाल शुरू किया तो आप अपनी सीट पर नहीं थे।

श्री बागड़ी : मैं सीट पर था।

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको देखने की कोशिश की थी।

श्री बागड़ी : मैं वहां पहले से बैठा था।

अध्यक्ष महोदय : तो आप सवाल पूछ लीजिए। मुझ से भूल हुई।

श्री बागड़ी : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि प्रधान मन्त्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने जो अपना एक पत्र मुझ को लिखा विदेश हाउस के बारे में, उसमें उन्होंने लिखा था कि विदेश माहब प्रधान मन्त्री के रहने के लिए तो यह भवन देने को तैयार हैं, पर मैं उसको प्रधान मन्त्री के तौर

पर रहने के लिए अच्छा नहीं समझता, और गांधीजी की यादगार के लिये उसे जबरदस्ती लेना मैं मुनासिब नहीं समझता । बिड़ला जी ने भी जो अपना पत्र लिखा है उसमें उन्होंने स्वीकृति दी है कि हां नेहरू जी ठीक कहते हैं मैंने उनको प्रधान मन्त्री का निवास स्थान देने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने मंजूर नहीं किया तो क्या सरकार यह बतायगी कि यह बिड़ला हाउस सिर्फ इस बिना पर नहीं लिया गया है और गांधी स्मारक नहीं बन रहा है क्योंकि यह लोग बिड़ला जी को खुश करना चाहते हैं तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो सारे देश के राष्ट्रपिता हैं . . .

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य का सवाल खत्म भी होगा कि नहीं ?

श्री बागड़ी : एक मिनट भी लग जाय तो कौनसी बड़ी बात है ?

अध्यक्ष महोदय : कभी खत्म तो होना चाहिए ।

श्री बागड़ी : महात्मा गांधी के स्मारक बनाने की . . .

श्री म० ला० द्विवेदी : अध्यक्ष महोदय, आपकी रूलिंग यह है कि एक मिनट से अधिक कोई एक व्यक्ति अपना सवाल नहीं कर सकता है . . .

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये मैं देख लूंगा ।

श्री बागड़ी : गुरु तेग बहादुर शहीद हुए उसी तरीके से गांधीजी शहीद हुए और गुरु तेग बहादुर की शहीदी जगह पर गुरुद्वारा विदेशी राज्य में बना . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री बागड़ी : सवाल तो मुझे पूछ लेने दिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : सवाल आपने कर लिया ।

श्री बागड़ी : मेरा सवाल पूरा नहीं हुआ है ।

अध्यक्ष महोदय : अब पूरा तो पूरे घंटे में नहीं होगा । तो मैं घंटे भर की तो इजाजत माननीय सदस्य को नहीं दे सकता ।

श्री बागड़ी : मेरा सवाल यह है कि जिस तरीके से गुरु तेग बहादुर की शहीदी जगह पर गुरुद्वारा बना है और वह विदेशी राज्य में बना था और जैसे राम, कृष्ण आदि महापुरुषों की शहीदी जगह को यादगार बनाया गया है तो क्या सरकार इसकी वजह बतलायेगी कि अपने देश में और अपने राज्य में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहीदी जगह पर कोई यादगार क्यों नहीं बनाई गई है ? दरअसल यह सब सरकार के लोग बिड़ला के हाथ में बिके हुए हैं ।

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, चूंकि माननीय सदस्य ने अपने प्रश्न में प्रधान मन्त्री का उल्लेख किया है इसलिए अधिक से अधिक यह हो सकता है कि उनके इस प्रश्न को मैं प्रधान मन्त्री तक पहुंचा दूं ।

Haldia Refinery

\+

*417. **Shri Vishwa Nath Pandey:**
Shri P. R. Chakraverti:
Shri P. C. Borooah:
Shri Heda:
Shri Indrajit Gupta:
Shri R. S. Pandey:
Shri Rajeshwar Patel:
Shri Vidya Charan Shukla:
Shri D. C. Sharma:
Shri Yashpal Singh:
Shri Kapur Singh:
Shri Dinen Bhattacharya:
Dr. Ranen Sen:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 70 on the 18th August, 1965 and state:

(a) whether the negotiations with foreign firms for the setting-up of Haldia refinery have since been concluded; and